#### शास्त्रीय नृत्यविधाएँ

र्ण शास्त्रीय नृत्य के बारे में जानकारी भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में मिलती है।

Information about classical dance is found in Bharat Muni's Natya Shastra. पंचम वेद माना जाता है

🝧 शास्त्रीय नृत्यों की कुल संख्या ८ है।

The total number of classical dances are 8.

🔷 संस्कृति मंत्रालय के अनुसार — 9 ( 9 वां छऊ )

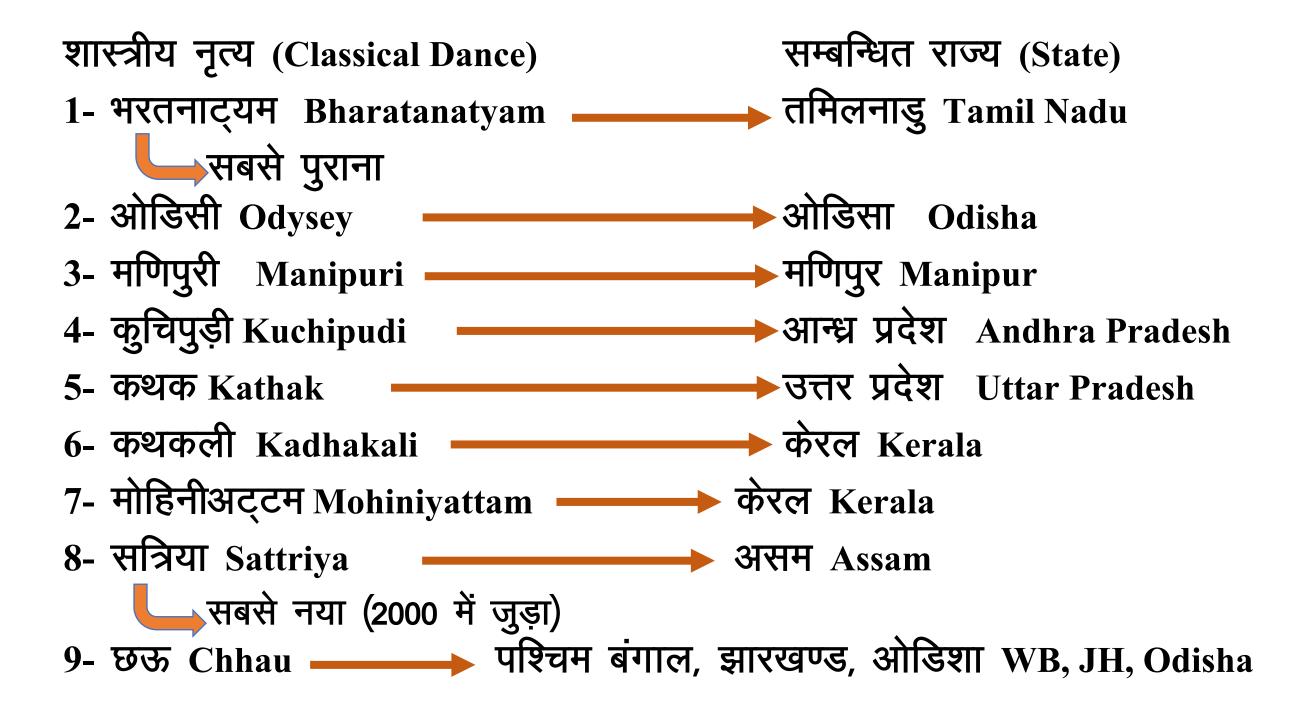
संगीत नाटक अकादमी — 8

स्थापना — 28 जनवरी 1953 (दिल्ली)

- क छऊ को अर्द्धशास्त्रीय नृत्य भी कहा जाता है। Chhau is also called semi-classical dance.
- र् इसे यूनेस्को की अमूर्त सूची में 2010 में शामिल किया गया। इसके तीन प्रकार है

It was included in the UNESCO Intangible List in 2010. It has three types

- 1. मयूरभंज छऊ ओडिशा Mayurbhanj Chhau Odisha
- 2. सरायकेला छऊ झारखण्ड Saraikela Chhau Jharkhand
- 3. पुरुलिया छऊ पश्चिम बंगाल Purulia Chhau West Bengal



1

#### भ्रतनाट्यम -

→ इसका पुराना नाम सादिर था। Its old name was Sadir.

→ अन्य नाम — दासी अट्टम (Dasi Attam) अग्नि नृत्य (Fire Dance)

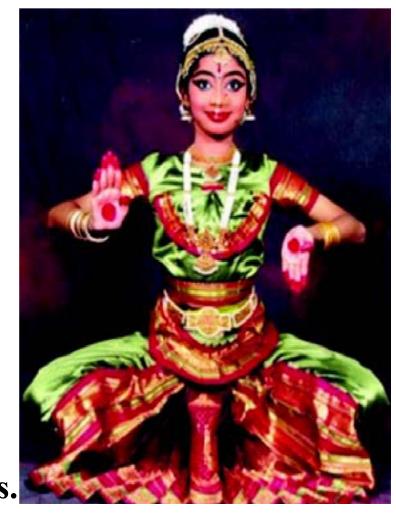
जानकारी – 2 Books

1. शिल्पादिकारम, 2. अभिनय दर्पण

यह मंदिरों को समर्पित है। It is dedicated to temples.

शैव धर्म के विचारों की प्रस्तुति
Presentation of the ideas of Shaivism

नृत्य का आरम्भ "आलारिपु" से होता है The dance begins with "Alaripu".



- ❖ इसमें छह भाग शामिल हैं: आलारिपु (आह्वान), जातीस्वरम् (नृत्य भाग), शब्दम् (शब्द के साथ लघु रचनाएँ), वर्णम् (एक कहानी, जिसमें नृत्त और नृत्य दोनों शामिल हैं), पदम् (धार्मिक प्रार्थना, भजन, कीर्तन) और तिल्लाना (हिंदुस्तानी संगीत के तराना के अनुरूप है)।
- \* It consists of six parts: Alarippu (invocation), Jatiswaram (dance portion), Shabdam (short compositions with words), Varnam (a story, including both nritta and dance), Padam (religious prayers, hymns, kirtans) and Tillana (corresponds to the tarana of Hindustani music).

⇒ नाट्य रूप का स्वरूप पाने वाला भारत का पहला शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्य है Bharatnatya is the first classical dance of India to take the form of a drama

→ "कटका मुख हस्त मुद्रा" इसमें 3 अंगुलियों को जोड़कर "ॐ" का प्रतीक निर्मित किया जाता है। "Katka Mukha Hasta Mudra" In this, the symbol of "Om" is formed by joining 3 fingers.

🔖 नृत्य का अंत "तिल्लाना (थिलाना)" पर होता है The dance ends on "Tilna".

नट्टूवार (भरतनाट्यम का शिक्षक) भरतनाट्यम में कविता पाठ करता है Nattuvar (teacher of Bharatanatyam) recites poems in Bharatanatyam

धुन के लिए कर्नाटक संगीत का प्रयोग होता है, और एकल कलाकार द्वारा विभिन्न भूमिकाओं को दर्शाया जाता है जिसे "एकाहार्य, लस्यांग" कहा जाता है Karnatka music is used for the tune, and various roles are performed by a solo artist called "Ekaharya"...

भरतनाट्यम नृत्य की शैली — कलाक्षेत्र, वजुदूर कलामंडलम Bharatnatyam dance style - Kalakshetra, Vajudoor Kalamandalam

भारतीय संगीत के दो भाग

- ❖ उत्तर भारत हिन्दुस्तानी संगीत
- ❖ दक्षिण भारत कर्नाटक संगीत नृत्य में प्रयोग वाद्ययंत्र — मृदंगम, वीणा, बांसुरी, आदि
- भरतनाट्यम पर ब्रिटिश सरकार ने 1910 में प्रतिबंध लगाया था। Bharatanatyam was banned by the British government in 1910.
- भरतनाट्यम के चित्र चिदम्बरम मंदिर (तिमलनाडु) के गोपुरम पर स्थित है।
  Bharatanatyam paintings are located on the gopuram of Chidambaram Temple
  (Tamil Nadu).

ओडिसी —

गुरू पंकज चरणदास को 'ओडिशी नृत्य का जनक कहा जाता है। Guru Pankaj Charandas is called the 'Father of Odissi dance'.

भगवान कृष्ण से संबंध है। There is relation with Lord Krishna.

यह नृत्य शैली भगवान जगन्नाथ की पूजा यात्रा से सम्बन्धित है। This dance style is related to the worship journey of Lord Jagannath.

यह त्रिभंग मुद्रा में किया जाता है It is done in Tribhanga Mudra

जयन्तिका ने 5 भागीय मुद्रा विकसित की Jayantika developed a 5 part mudra

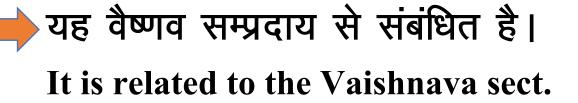


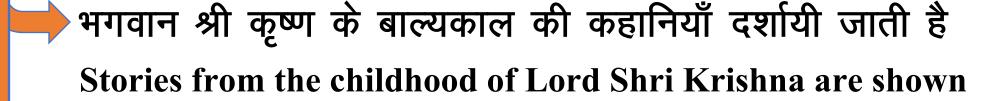
- > इसे ओरीली भी कहा जाता है।
- > It is also called Orili.
- 🗲 इसकी शुरूआत "मंगलाचरण" से और अन्त "मोक्ष" पर होता है
- ► It begins with "Manglacharan" and ends with "Moksha".
  - "मंगलाचरण" पृथ्वी माता को पुष्प अर्पित "मोक्ष" — थारिझम नृत्य से
- > पखावज अक्षरों का प्रयोग, इस नृत्य को समाप्त करने के लिए किया जाता है। The Pakhawaj aksharas are used to end this dance.
- > नृत्य उदाहरण उदयगिरि खंडगिरि गुफा

  Dance Example Udayagiri Khandagiri Cave
- > मुख्यतः महारियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य dance performed mainly by Maharis

- नृत्यांगनाएँ शरीर से जिटल 'ज्यामितिय पैटर्न बनाती है। इसे सचल मूर्ति कहा जाता है।
- Dancers create intricate geometric patterns with their bodies. This is called a moving idol.
- > यह नृत्य 'जल तत्त्व' का प्रतीक है
  This dance symbolizes the 'water element'
- > प्रयोग वाद्ययंत्र, मंजीरा, पखावज, ढोल सितार Musical instruments: Manjira, Pakhawaj, Dhol, Sitar

#### मणिपुरी -





🛶 इसकी तीन प्रमुख शैलियाँ है — लाई हरोबा, संकीर्तन और रासलीला It has three main styles - Lai Haroba, Sankirtan and Rasleela.

मणिपुरी नृत्य रासलीला को पहली बार 1779 में निंगथो चिंग—थांग खोंबा ने शुरू किया था। The Manipuri dance Raasleela was first introduced

in 1779 by Ningtho Ching-Thang Khomba.

राधा और कृष्ण थीम पर आधारित जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी — मणिपुर Jawaharlal Nehru Manipuri Dance Academy - Manipur

> इसमें पेना वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जाता है
Pena instruments are used in this

<table-cell-rows> इसमें नटगायन का प्रयोग किया जाता है।

नृत्य, वाद्ययंत्र बजाना, गाना गाना एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है इसे "पंग चोलेम" कहा जाता है, इसमें ड्रम का प्रयोग किया जाता है।

Dancing, playing instruments, singing is done by the same person it is called "Pang Cholem" Drum is used in this.

(जागोई + चोलेम) मणिपुरी के 2 प्रमुख भाग है (Jagoi + Cholem) are the 2 major parts of Manipuri

- > इसमें 64 तालों का प्रयोग होता है 64 locks are used in this
- > नागबंध मुद्रा जिसमें शरीर 8 के आकार में वक्रों के माध्यम से जुड़ा होता है Nagabandha Mudra – in which the body is connected through curves in the shape of 8
- > इसमें कलाकार बेलनाकार स्कर्ट पहनते है जिसे 'योटिओई' कहा जाता है। In this the performers wear a cylindrical skirt called 'yotioi'.
- > इसमें कलाकार कभी भी दर्शकों से सीधे आँख नही मिलाता है।
  In this the artist never makes direct eye contact with the audience.

## कुचिपुड़ी ———

आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के एव गाँव कुचैलापुरम के नाम पर रखा

यह भाषण (माइम) और शुद्ध नृत्य को जोड़ता है। It is a question of speech (Maem) and pure dance.

भागवत, पुराण को आधार माना जाता है Bhagwat, Purana is considered as the basis

पीतल की तश्तरी में पैर रखकर नृत्य करने का प्रचलन है। इसे तरंगम कहते है, पैरों की मुद्राएँ सम—पाद मंडिकोप्पु, कन्तेरा, नागबंध There is a tradition of dancing by keeping feet on a brass plate. This is called Tarangam, the postures of the feet are Sam-pad Mandikoppu, Kantera, Nagabandha

- ⇒ इसमें कर्नाटक संगीत पेश होता है। It features Karnatka music.
- वाक, मूकाभिनय और शुद्ध नृत्य के संयोजन वाला नृत्य कुचिपुड़ी है। Kuchipudi is a dance that combines speech, mime and pure dance.
- → सिद्धेंद्र योगी को कुचिपुडी का आदि गुरू माना जाता है, इन्होंने भामाकल्पम नाटक की रचना की जो कुचिपुडी पर आधारित है। Sidhendra Yogi is considered the first guru of Kuchipudi, he composed the play Bhamakalpam which is based on Kuchipudi.
- 🔷 नर्तकों को भागवतालु के नाम से जाना जाता है। The dancers are known as Bhagavatalu.
- सोल्लाकद या पताक्षर इस नृत्य भाग में शरीर की हरकतें शामिल Sollakad or Patakshar – This dance part involves body movements
- 🛶 कावुत्वम इसमें व्यापक कलाबाजियाँ (हवाई करतब) सम्मिलित होती है। Kaavutvam – Involves elaborate acrobatics (aerobatics).

- मंडूक शब्दमः एक मेंढ़क की कहानी को कहता है। Manduk Shabdam: Tells the story of a frog.
- > जल चित्र नृत्यम इसमें कलाकार अपने पैर के अँगूठो से सतह पर चित्र बनाते है।
  Jal Chitra Nrityam In this the artist makes pictures on the surface with his toes.
- प्रकष कलाकारों की पौशाक को बगलबंदी कहा जाता है।
  The costume of male artists is called Bagalbandhi.

#### कथक —

, अन्य नाम – नटवरी, कथाकारों का नृत्य

यह राधा कृष्ण की कथाओं पर आधारित है।

It is based on the identity of Radha Krishna.

घुंघरू और चक्कर इस नृत्य की प्रमुख विशेषताएं है।

Ghungroo and Chakkar are the main features of this dance

एक कहानी सुनाने के लिए इस नृत्य का प्रयोग होता है। इसे पढंत कहा जाता है। This dance is used to tell a story. This is called reading.

कथक नृत्य की वेशभूषा अनारकली या लम्बी कमीज चूड़ीदार के साथ होती है। Kathak dance costumes are anarkali or long shirt with churidar.

यह नृत्य लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना (सबसे पुराना), और रायगढ़ घराना शैली में किया जाता है This dance is performed in Lucknow Gharana, Jaipur Gharana, Banaras Gharana (oldest), and Raigarh Gharana styles.



- > कथक की शास्त्रीय शैली को 20वीं शताब्दी में 'लेड़ी लीला सोखे' के द्वारा पुर्नजीवित किया गया।
  The classical style of Kathak was revived in the 20th century by 'Ledi Leela Sokhe'.
- > इसके प्रमुख विषय वैष्णववाद, से जुडे है।
  Its main themes are related to Vaishnavism.
- > इसका वर्तमान स्वरूप 'मुगल परम्परा' पर आधारित Its current form is based on the 'Mughal Tradition'

6 कथकली – केरल

पुरूषों द्वारा by male

रामायण, महाभारत इसके आधार है Ramayana, Mahabharata is its foundation stone

नायक — पाचा Hero - Pacha

खलनायक – कथी Villain - Kathi

इसमें चेहरे का हाव—भाव का प्रदर्शन किया जाता है it has facial expressions

नाट्य स्थान (थियेटर) कुट्टमपालम कहलाता है। Dance place (theater) is called Kuttampalam.



इसकी शुरूआत केलीकोटटु नामक ढोल बजाने से होती है एवं केरल के सोपना संगीत का प्रयोग होता है

It begins with the playing of a drum called Kelikottu and the Sopana music of Kerala is used.

- 🛶 कथकली नृत्य में 24 मुख्य मुद्रा होती है। There are 24 main postures in Kathakali dance.
- 🛶 इसमें 3 संगीत वाद्ययंत्र इडक्का, चिंदा और मडालाम का प्रयोग होता है। In this 3 musical instruments Idakka, Chinda and Madalam are used.
- 🕇 कथकली आकाश तत्त्व का प्रतीक है। Kathakali symbolizes the sky element.
- → कथकली गीतों के लिये प्रयुक्त भाषा 'मणिप्रवलम' अर्थात मलयालम और संस्कृत का मिश्रण The language used for Kathakali songs is 'Manipravalam' i.e. a mixture of Malayalam and Sanskrit.

- ❖ गीतों के शब्दों को अट्टकथा कहा जाता है।
  The words of the songs are called Attakatha.
- ❖ कला सम और नलचरितम कथकली नृत्य के प्रकार है

  Kala Sama and Nalacharitham are types of Kathakali dance
- ❖ यह लिलत कला के 5 रूपों का एक सामंजस्यपूर्ण संयोजन है लिटरेचर (साहित्यम), म्यूजिक (संगीतम), पेंटिंग (चित्रम), एक्टिंग (नाट्यम) और नृत्य (नृतम)।

  It is a harmonious combination of 5 forms of fine arts Literature (Sahityaam), Music (Sangeetham), Painting (Chitram), Acting (Natyam) and Dance (Nritham).

- ❖ अलग—अलग पात्रों के लिए चेहरे के सुपरिष्कृत शृंगार के साथ सिर की टोपी का उपयोग किया जाता है। शृंगार या वेशम पाँच प्रकार का होता है ─ पाचा, काठी, थड़ी, कारी और मिनुक्कू अलग—अलग रंगों के शृंगार में अपना महत्त्व होता है।
  - Headgear is used for different characters along with elaborate facial makeup. There are five types of adornment or Vesham Pacha, Kathi, Thadi, Kari and Minukku. Different colors of adornment have their own importance.
- र्क हरा रंग कुलीनता, देवत्व और सद्गुण इंगित करता है। Green color indicates nobility, divinity and virtue.
- ♣ नाक की बगल में लाल धब्बे राजसी गौरव इंगित करता है।
  The red spot next to the nose indicates royal pride.

- ❖ बुराई और दुष्टता इंगित करने के लिए काले रंग का उपयोग किया जाता है। Black color is used to indicate evil and wickedness.
- ❖ पीला रंग संतों और महिलाओं के लिए होता है। Yellow color is for saints and women.
- ♣ पूरी तरह लाल रंग से पुता चेहरा बुराई इंगित करता है।
  A face painted entirely red indicates evil.
- ❖ सफेद दाढ़ी उच्चतर चेतना और देवत्ववाले प्राणियों को इंगित करती है।
  White beard indicates beings with higher consciousness and divinity.

7 मोहिनीअट्टम -

मोहिनी - सुंदर स्त्री

अट्टम – नृत्य

एकल महिला द्वारा by single woman

🔷 बालों में चमेली के सफेद फूल लगाये जाते है। White flowers of jasmine are applied in the hair.

इस नृत्य में केरल कसावु साड़ी पहनी जाती है। Kerala Kasavu saree is worn in this dance.

इस नृत्य का उल्लेख "व्यवहारमाला" नामक प्राचीन ग्रंथ में किया गया है This dance has been mentioned in an ancient text named 'Vyavahamala'.

विष्णु के स्त्रैण रूप की कहानी शामिल है। Contains the story of the feminine form of Vishnu.

इसे जादूगरनी का नृत्य भी कहा जाता है। It is also called the dance of the witch.

- > इसमें भी मणिप्रवलम भाषा का प्रयोग Manipravalam language is also used in this
- > तेवितिचियाट्टम, नंगई नाटकम और दासियहम इस नृत्य के रूप है। Thevitchiyattam, Nangai Natakam and Daasiyaham are the forms of this dance.

#### सित्रया –

इसको वर्ष 2000 में शामिल किया गया है। It has been included in the year 2000.

इसकी खोज लगभग 500 वर्ष पूर्व हुई। संस्थापक "श्रीमत शंकर देव" Founder "Shrimat Shankar Dev"

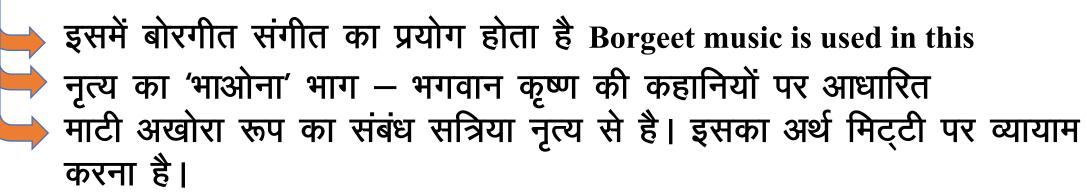
असम के वैष्णव मठों में विकसित नृत्य

Dances developed in the Vaishnav monasteries of Assam

सित्रया को "अंकियानाट" के प्रदर्शन के लिए लाया गया। Satriya was brought in to perform "Ankiyaanat".

जब इस नृत्य को पुरूष करता है तो "भांगी" और जब स्त्री करती है तो "सीमंगी" कहलाता है, त्योहारों पर यह नृत्य भोकोत (पुरूष भिक्षुओं) द्वारा किया जाता है। When this dance is performed by a man, it is called "Bhangi" and when performed by a woman, it is called "Seemangi". On festivals, this dance is performed by Bhokot (male monks).





The Mati Akhora form is related to the Sattriya dance. It means exercising on the soil.





STATIC G.K

राष्ट्राय उद्यान (NATIONAL PARKS) Part -2





### MAHARASHTRA

Mational parks



नवेगांव राष्ट्रीय उद्यान Navegaon National Park बोरिविली राष्ट्रीय उद्यान

**Borivilli National Park** 

चंदोली राष्ट्रीय उद्यान Chandoli National Park

गुगामल राष्ट्रीय उद्यान Gugamal National Park

तड़ोबा राष्ट्रीय उद्यान Tadoba National Park

मणिपुर

Manipur

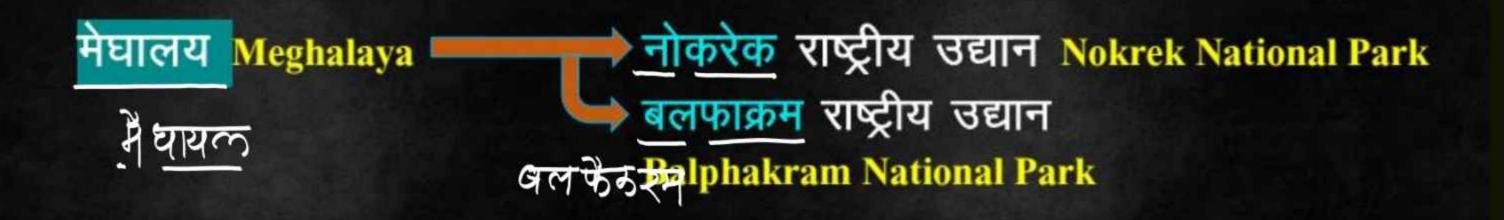
सिरोही राष्ट्रीय उद्यान Sirohi National Park

कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान कोइबुल

Keibul Lamjao National Park

🔷 एक मात्र तैरता हुआ











#### **ODHISA PROTECTED AREAS**



सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान Simlipal National Park

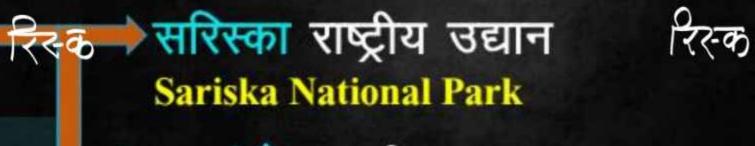
भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान Bhitarkanika National Park

नन्दकानन राष्ट्रीय उद्यान Nandakanan National Park



## हरिके वेटलैंड Harike Wetland

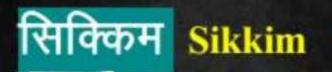






- → मुकुंदरा हिल्स (दाराह) राष्ट्रीय उद्यान ५ुॐ Mukundra Hills (Darah) National Park
- ⇒ केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान केवल Keoladeo Ghana National Park
- ⇒ डेजर्ट नेशनल पार्क Desert National Park
- माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य Mount Abu Wildlife Sanctuary





## कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान

Kangchenjunga National Park



# TAMIL NADU



मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान
Mudumalai National Park
मुकुर्ती राष्ट्रीय उद्यान मुकुर्ती
Mukurthi National Park

इंदिरा गांधी (अनामलाई) राष्ट्रीय उद्यान ३६५ Indira Gandhi (Anamalai) National Park

गुइनडी नेशनल पार्क Guindy National Parking

मन्नार की खाड़ी मरीन राष्ट्रीय उद्यान Gulf of Mannar Marine National Park

प्लानी हिल्स राष्ट्रीय उद्यान Palani Hills National Park

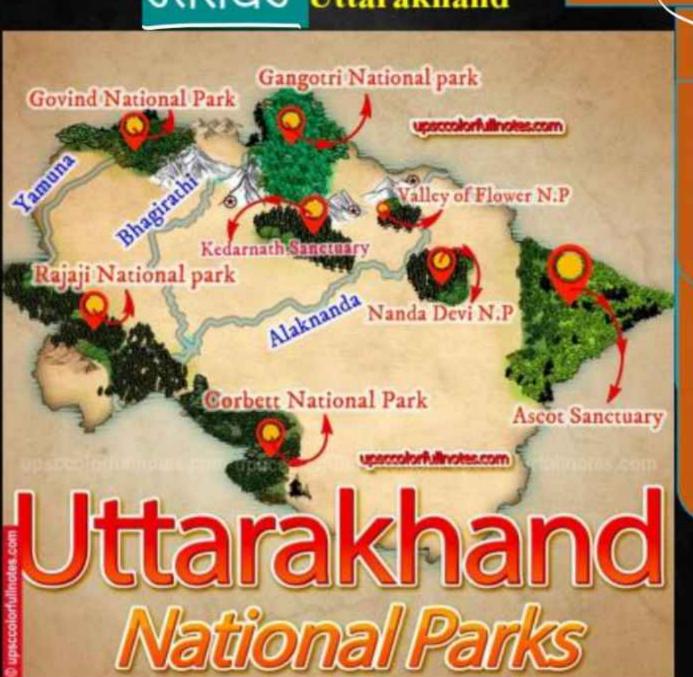




उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान Dudhwa National Park

# उत्तराखंड Uttarakhand



जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान

Jim Corbett National Park

भारत का पहला नेशनल पार्क केल्प पुराना नाम — हैली → 1936 में खना था।

गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान Gangotri National Park

गोविंद पशु विहार Govind Pashu Vihar

🔷 राजाजी राष्ट्रीय उद्यान Rajaji National Park

े <mark>फूलो की घाटी</mark> राष्ट्रीय उद्यान Valley of Flowers National Park

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान Nanda Devi National

लहाख Ladakh

हेंमिस राष्ट्रीय उद्यान Hemis National Park

# प्रमुख वन्यजीव <u>अभयारण</u> Major Wildlife Sanctuary

Ivational pour offet पोंधे

WLS = जीव

प्रि भारत में <u>573</u> मौजूदा वन्यजीव अभ्यारण्य हैं जो 123,762.56 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हैं , जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 3.76% है (राष्ट्रीय वन्यजीव डेटाबेस केंद्र, नवंबर 2023)। संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क रिपोर्ट में 16,829 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले <u>218</u> और अभ्यारण्य प्रस्तावित हैं।

India has 573 existing wildlife sanctuaries covering an area of 123,762.56 sq km, which is 3.76% of the country's geographical area (National Wildlife Database Centre, November 2023). The Protected Area Network Report proposes 218 more sanctuaries covering an area of 16,829 sq km.

र् राज्यों में सर्वाधिक WLS - महाराष्ट्र (49)
Most of the states WLS - Maharashtra (49)

Ing

र्ष राज्यों में न्यूनतम WLS — नागालैण्ड, त्रिपुरा, मेघालय (4) Minimum WLS in states - Nagaland, Tripura, Meghalaya (4)

```
🔖 केन्द्रशासित प्रदेश में सर्वाधिक WLS – अण्डमान और निकोबार (97)
    Highest number of WLS in Union Territory - Andaman and Nicobar (97)
🥸 केन्द्रशासित प्रदेश में न्यूनतम WLS – दिल्ली, दमन एवं द्वीप, दादर एवं
                                      नागर हवेली, लक्ष्यद्वीप, पुड्चेरी (1)
                                   Delhi, Daman & Islands, Dadra & Nagar Haveli,
    Minimum WLS in UT -
                                   Lakshadweep, Puducherry (1)
   Jung.
🔖 सबसे बड़ा WLS - कच्छ का रण (गुजरात) - जंगली गधे के लिए प्रसिद्ध
    Largest WLS - Rann of Kutch (Gujarat) - famous for wild asses
🔖 सबसे <u>छोटा</u> WLS — बोर
```

Smallest WLS - Bor (Maharashtra)



राज्य तथा केन्द्रशासित प्रदेश	वन्य जीव अभ्यारण
State and Union Territory	Wildlife Sanctuaries
आंध्र प्रदेश अंघा	कोरिंगा Coringa, नेल्लापट्ट Nellapattu
अर्रुणाचल प्रदेश	दिबांग Dibang
असम	गरमपानी, पोबितोरा, बोरेल, सोनितपुर हाथी अभ्यारण्य
	Garampani, Pobitora, Borel, Sonitpur Elephant Reserve
<u>छत्तीसगढ़</u>	बारनवापारा Baranvapara (जोंक नदी अंदर से बहती है)
गोवा •	कोटिगांव, नेत्रावली Kotigaon, Netravali
गुजरात	खिजड़िया बरदा Khijadiya Barda, कच्छ का रण 1972
हरियाणा	भिंडावास Bhindawas
हिमाचल प्रदेश	रेणुका Renuka
झारखण्ड – :	हजारी बाग, डलमा Hazari Bagh, Dalma दाल्मी
	सिंहभूमी हाथी अभ्यारण्य (भारत का पहला हाथी अभ्यारण्य) Singhbhum Elephant Reserve (India's first elephant reserve)

<u>कर्नाट</u> क	दांदेली (काली बाघ अभ्यारण, पक्षियों का स्वर्ग) बांकापुर
	मयूर, Dandeli (Black Tiger Reserve, Birds paradise)
	Bankapur Mayur
केरल	पेपारा Papara, चिनार, शेनदुरनी Chinar, Shendurn
मध्यप्रदेश	किसली Kisli
मेघालय	बाघमरा पिचर प्लांट, Baghmara Pitcher Plant
ओडिशा	गहिरमाथा (ओलिव रिडले कछुआ), भीतरकनिका (संकटग्रस्त एस्चुएरीन मगरमच्छों के संरक्षण के लिए),
	Gahirmatha (Olive Ridley Tortoise) (for conservation of endangered estuarine crocodiles)
पंजाब	अबोहर Abohar
तमिलनाडु	करिकिली, चित्रांगुडी, श्री विल्लिपुथुर हाथी अभ्यारण्य Karikili, Chitrangudi, Sri Villiputhur Elephant Sanctuary

त्रिपुरा तेरे पर	रोवा Rova
तेलंगाना	कंवल Kanwal
पश्चिम बंगाल के रला	हैलिडे द्वीप Halide Island
अण्डमान निकोबार	माउण्ट हैरिएट (माण्उट मणिपुर), मयूर द्वीप Mount
	Harriet (Mount Manipur), Peacock Island
चण्डीगढ़	सुखना Sukhna
दादर नागर हवेली और दमन द्वीप	फुदम Fudum
लदाख	चागथांग कोल्ड डेजर्ट Chagthang Cold Desert
लक्ष्यद्वीप	पिट्टी अभ्यारण Pitti Sanctuary
पुडुचेरी	ओसुडू osudu

#### Hotspot of Biodiversity in India

- े ऐसे स्थान जहां समृद्ध जैव विविधता अर्थात विभिन्न प्रकार के जीव -जंतु (Fauna) व पेड़- पौधों (Flora) की प्रजातियां अधिकता में पाए जाते हैं परंतु उनके अस्तित्व पर निरंतर संकट बना रहता है ऐसे स्थान तप्त स्थल या हॉटस्पॉट कहलाते हैं। यह सिर्फ Tropical reasons या उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में ही पाए जाते हैं।
- ➢ Places where there is rich biodiversity i.e. different species of animals (Fauna) and plants (Flora) are found in abundance but their existence is under constant threat are called hot spots or hotspots. These are found only in tropical regions due to tropical reasons.
- 🖎 Fauna समस्त जीव जंतु फोना कहलाते हैं। All living organisms are called Fauna.
- 🖎 Flora- समस्त पेड़ फ्लोरा कहलाते हैं। All trees are called Flora

# भारत में चार मुख्य जैव विविधता हॉटस्पॉट क्षेत्र है कि diversity two spots 4

- 🖎 1. हिमालायई क्षेत्र इसमें भूटान, नेपाल, नॉर्थ और साउथ इंडिया क्षेत्र आते हैं। Himalayan region - It includes Bhutan, Nepal, North and South India.
- 🖎 2. पश्चिमी व पूर्वी घाट पश्चिमी घाट महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और श्रीलंका तक फैला है। इसमें अगस्थेमलाई पहाड़ियां, शांत घाटी, पेरियार राष्ट्रीय उद्यान आदि आते हैं। जबिक पूर्वी हिमालय, उत्तर पूर्व भारत से भूटान तक फैला है। Western and Eastern Ghats - Western Ghats are spread till Maharashtra, Karnataka, Kerala and Sri Lanka. It includes Agasthmalai Hills, Silent Valley, Periyar National Park etc. Whereas Eastern Himmay are spread from North East India to Bhutan.

3. इंडो-बर्मा रीजन - इसमें पूर्वी बांग्लादेश से मलेशिया तक का हिस्सा आता है। इसमें भारत का छोटा सा ही भाग सिम्मिलित है।

Indo-Burma region - It includes the area from East Bangladesh to Malaysia. Only a small part of India is included in it.

4. सुंदर वन क्षेत्र - इसके अंतर्गत समस्त आईलैंड्स आते हैं। इसमें थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया तथा भारत के अंडमान निकोबार आइलैंड आते हैं। Sundarban region - All the islands are included in it. It includes Thailand, Singapore, Indonesia, Malaysia and India's Andaman and Nicobar Islands.

